



Literacy for a Billion

Movie: Vivah

Year: 2006

Song: Mujhe haq hai

Lyricist: Ravindra Jain

मुझे हक है
तुझको जी भरके मैं देखूँ
मुझे हक है
बस यूँ ही देखता जाऊँ
मुझे हक है
पिया... पिया
पिया पिया बोले मेरा जिया
तुम्हें हक है
तुम्हें हक है
तुम्हें हक है

ढल रही पिघल रही
ये रात धीरे-धीरे
बढ़ रही है प्यार की
बात धीरे-धीरे
चुडियाँ गुनगुनाके
क्या कहें सजना
ये चुडियाँ गुनगुनाके
क्या कहें सजना
रात की रात जगाऊँ
मुझे हक है
चाँद पूनम का चुराऊँ
मुझे हक है
पिया... पिया
पिया पिया बोले मेरा जिया

तुम्हें हक है
तुम्हें हक है
तुम्हें हक है

कल सुबह तुझसे मैं
दूर चला जाऊँगा
एक पल को भी तुझे
भूल नहीं पाऊँगा
ये चेहरा ये मुस्कान
आँखों में भर के
ये चेहरा ये मुस्कान
आँखों में भर के
मैं तेरी याद में तड़पूँ
मुझे हक है
तुझसे मिलने को मैं तरसूँ
मुझे हक है
पिया... पिया
पिया पिया बोले मेरा जिया
तुम्हें हक है
तुम्हें हक है
तुम्हें हक है
मुझे हक है
तुम्हें हक है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.